विद्या सवर्धि साधिका

आनंदालय
सामयिक परीक्षा– 2
कक्षा : छठीं

विषय: हिंदी | **अधिकतम अंक– 50**
दिनांक : 25–09–2019 | **निर्धारित समय– 2घंटे**

सामान्य निर्देश–

- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं– क,ख,ग,घ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1X5= (5)

विद्या मनुष्य का तीसरा नेत्र है। विद्या की प्राप्ति उसी को हो सकती है,जो निरंतर अध्ययन करता रहता हो तथा जो अध्ययन को आनंद का विषय अनुभव करे। पुस्तकें मानव की सर्वश्रेष्ठ मित्र हैं। मनुष्य की मित्रता की एक सीमा होती है। मित्रता केवल जीवित रहने तक हो सकती है। इसके अतिरिक्त मनुष्य का मन स्थिर नहीं होता। समय व परिस्थिति अनुसार कोई किसी का दुश्मन या मित्र हो सकता है। पुस्तकें हज़ारों वर्षों तक मनुष्य का मार्गनिर्देशन करती हैं। संसार का इतिहास खोलने से पता चलता है कि विश्व में जितने भी महान महापुरूष हुए हैं,उनकी सफलता का मूलमंत्र अध्ययन है। गांधी जी के संवंध में कहा जाता है कि वे अवकाश का एक भी क्षण ऐसा नहीं जाने देते थे,जिसमें वे पढ़ते न हों। लोकमान्य गंगाधर तिलक,वीर सावरकर,जॉर्ज वांशिगटन,मार्क्स आदि महान नेताओं ने जो महाग्रंथ मानव-जाति को प्रदान किए, वे उनके अध्ययन के ही परिणाम थे। लोकमान्य तिलक ने 'गीता रहस्य' नामक महान पुस्तक काले पानी की सज़ा में लिखी। वीर सावरकर का 'सन 1857 की क्रांति' नामक खोजपूर्ण ग्रंथ भी कारागार में तैयार हुआ। ये लोग जेल के खराब वातावरण में रहकर इतना उत्तम तभी दे सके,क्योंकि वे अध्ययन को आनंद का विषय मानते थे।

मनुष्य दिनभर दुकान,दफ़्तर या कारखाने में काम करने के बाद मनोरंजन करता है। पहाड़ की चोटियों पर मोर्चा सँभाले जवान या भीषण बीहड़ों में विभिन्न योजनाओं पर काम करने वाले अधिकारी खाली समय में विक्षिप्तता की स्थिति में पहुँच जाएँ,यदि उन्हें पढ़ने को पुस्तकें या पत्रिकाएँ आदि प्राप्त न हों। अपनों से दूर होने पर पुस्तकें ही एकमात्र साथी होती हैं। किसी सभा,गोष्ठी या बैठक में उपस्थित हुए बिना ही वे मूल्यवान विचारों को उसी प्रकार प्राप्त कर लेते हैं, जैसे नगरों में रहने वाली जनता प्राप्त करती है। यह सब अध्ययन का ही सुपरिणाम है।

(क) विद्या की प्राप्ति उसे होती है जो –
(i) अध्ययन नहीं करता है (ii) निरंतर अध्ययन करता है
(iii) निरंतर अवकाश पर रहता है (iv) निरंतर अस्थिर रहता है

(ख) 'गीता रहस्य' नामक पुस्तक लिखी थी –
(i) वीर सावरकर ने (ii) जॉर्ज वांशिगटन ने (iii) मार्क्स ने (iv) लोकमान्य गंगाधर तिलक ने

(ग) मित्र का पर्यायवाची नहीं है –
(i) सखा (ii) सहचर (iii) मीत (iv) अरि

(घ) संसार का इतिहास खोलने से अध्ययन के विषय में क्या पता चलता है?

(ङ) अध्ययन करने के क्या सुपरिणाम होते हैं?

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1X4= (4)

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई
भारत की साँझी संस्कृति में पलते भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरूष ढोते हैं।

(क) इस कविता में किसे माता कहा गया है –
(i) अपनी माँ को (ii) भारत को (iii) गऊ माता को (iv) धरती को

(ख) भारत माँ की एक अरब से अधिक भुजाएँ क्यों बताई गई हैं?
(i) अत्यधिक जनसंख्या बताने हेतु। (ii) एक अरब से अधिक नर बताने हेतु।
(iii) भारत के सपूतों की जनसंख्या बताने हेतु। (iv) एक अरब से अधिक सैनिक बताने हेतु।

(ग) सुदिनों में (अच्छे दिनों) में हम क्या करते हैं?

(घ) उपर्युक्त पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

खण्ड – ख

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – 1X10= (10)

(क) अनुस्वार युक्त शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए –
(i) मंद (ii) आंख (iii) चांद (iv) भांति

(ख) अनुनासिक युक्त सही शब्द है –
(i) अँदाज़ा (ii) कँधा (iii) काँच (iv) शँख

(ग) र्+ए+श्+अ+म्+अ (वर्ण विच्छेद का सही शब्द है –
(i) रेसम (ii) रेश्म (iii) रेशम (iv) रशम

(घ) 'इंद्र' शब्द लिंग परिवर्तन करने पर होगा–
(i) इंद्राणि (ii) इंद्रणी (iii) इंद्राणी (iv) इंदाणी

(ङ) 'रश्मि' शब्द का बहुवचन है–
(i) रशिमयों (ii) रशिमयाँ (iii) रश्मि (iv) रश्मियाँ

(च) जल + उर्मि (संधि कीजिए।)

(छ) चौराहा (समास विग्रह करके भेद लिखिए।)

(ज) मोहन अपने आप ही घूमने चला गया। (सर्वनाम शब्द छाँटकर भेद लिखिए)

(झ) मज़हबी, दुखड़ा, फ़कीर, सूखा (नुक्तावाले सही शब्द पहचान कर लिखिए)

(ञ) ईशा और मनीषा के व्यवहार में तो....................................। (उचित मुहावरा लिखकर वाक्य पूरा कीजिए)

खण्ड – ग

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) मंगल ग्रह के लोगों को ज़मीन के नीचे घर बनाकर क्यों रहना पड़ा? 'पार नज़र के' पाठ के आधार पर वर्णन कीजिए। (2)

(ख) मोहन को बीमारी का बहाना बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए। (2)

(ग) ए. एम. नागराजन का अलबम आने के बाद राजप्पा में क्या परिवर्तन आए? (1)

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) आपसी सहयोग के महत्त्व का वर्णन 'साथी हाथ बढ़ाना' कविता के आधार पर कीजिए। (2)

(ख) 'हुआ यज्ञ प्रारंभ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी'-कवयित्री ने लक्ष्मीबाई की किस विशेषता का वर्णन इन पंक्तियों के माध्यम से किया है? समझाइए। (2)

(ग) रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से आपने क्या प्रेरणा ली? (1)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3X2= (6)

(क) ए. एम. नागराजन के अलबम के प्रथम पृष्ठ पर लिखे शब्दों का वर्णन करते हुए बताइए कि विद्यार्थी उन शब्दों से क्यों प्रभावित हुए।

(ख) समय पर कार्य करने वाले व्यक्तियों को कभी पछताना नहीं पड़ता है। क्यों? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

अथवा

अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों? 'पार नज़र के' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए?

खण्ड – घ

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में आत्मकथा लिखिए – (5)

(क) जूते की आत्मकथा

- जूते का जन्म
- जूते का आकर्षक रूप
- जूते की उपयोगिता
- जूते की वर्तमान दशा

(ख) पेड़ की आत्मकथा

- पेड़ का जन्म
- छायादार और फलदार
- परोपकारी
- वर्तमान स्थिति

(ग) जीवन में त्योहारों का महत्त्व

- त्योहारों का महत्त्व
- संस्कृति के परिचायक
- त्योहारों की विभिन्नता
- भाईचारे को बढ़ावा

8. ‘कविता गायन प्रतियोगिता में आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया है’ अपने मित्र को पत्र लिखकर अपने अनुभवों को साझा कीजिए । **(5)**

अथवा

‘खेलों का महत्त्व’ बताते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

9. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे हुए विचारों को अपनी भाषा में लगभग **40-50** शब्दों में लिखिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से, चित्र से संबंधित होना चाहिए। **(5)**